आईएमएस के टीचर्स डे सेलिब्रेशन स्पंदन में डीएवीवी कुलपति डॉ. रेणु जैन ने कहा, विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उन्हें आदरांजलि दी

मां आपकी शिक्षक, पिता अनुशासन सिखाने वाले हेडमास्टर और पुस्तकें जीवन का प्रकाश हैं : कुलपति

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

'बच्चे की प्रथम गुरु मां होती है। उसी से वो जीने का सलीका सिखाता है। जिंदगी को देखने की तमीज मां देती है। पिता जीवन में हेडमास्टर की भूमिका में होते हैं और पुस्तकें उस प्रकाश के किरदार में होती हैं जो हमें सही राह दिखाए।' टीचर्स डे पर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में हुए कार्यक्रम स्पंदन में डीएवीवी कुलपति डॉ. रेणु जैन स्टूडेंट्स को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि एक शिक्षक के लिए सबसे बड़े सम्मान की बात ये होती है कि उसका स्टूडेंट उससे भी ज्यादा प्रगति करे। आईएमएस की डायरेक्टर प्रोफेसर संगीता जैन ने कहा - यह आपकी जिंदगी की शुरुआत है और जीवन यात्रा में अपनी सीखने की ललक हमेशा जीवित रखिएगा। नाकामयाबियां मिलेंगी लेकिन वो कामयाबी की ही सीढ़ी होती है। इसलिए कहीं असफल हो तो हताश होकर रुकना नहीं है। असफलता से सबक लीजिए और अपने परिश्रम में कमी मत आने दीजिए। सबका आदर करना सीखिए और भले इंसान बनिए।

समारोह में स्टूडेंट्स ने डांस, म्यूजिक झलक सहित कई प्रस्तुतियां दी। कॉलेज बैंड ने भी परफॉर्म किया। टीचर्स के लिए मनोरंजक गेम्स रखे गए।

सभी विद्यार्थी पारम्परिक वेशभूषा में आए थे। शिक्षकों के सम्मान में स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नाटक में उस गलत धारणा का खंडन किया जो कहती है कि जो और कुछ नहीं कर पाते, वो शिक्षक बन जाते हैं। इस नाटक में स्टूडेंट्स ने दिखाया कि शिक्षक खुद को झोंक देते हैं बच्चों का भविष्य बनाने के लिए। संकल्प शर्मा ने राग वृंदावनी सारंग, हंसध्वनि और अन्य रागों पर बांसुरी वादन किया। घूमर,भांगड़ा, गिद्दा, कथक और अन्य लोकनृत्यों की प्रस्तुति भी दी गई। कॉलेज से पासआउट स्टूडेंट्स ने वीडियो के माध्यम से टीचर को बधाई दी। कॉलेज बैंड ने भी परफॉर्म किया। टीचर्स के लिए कुछ मनोरंजक गेम्स खेले गए।